हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

क्रिसमस और प्रकाश उत्सव की शुभकामनाएं

सोमवार, 25 दिसम्बर 2017, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

वर्ष 22, अंक 299, 28 पेज+16 पेज जॉब सर्च, मूल्य ₹ 3.00, पौष, शुक्ल पक्ष, सप्तमी, विक्रम सम्वत् 2074

कई विभूतियों को सम्मान मिला

सम्मान समारोह

लखनऊ | **वरिष्ठ संवाददाता**

सुर-संगीत, रंग-रागिनी और ठहाकों की एक खूबसूरत शाम सजाई गई रविवार को उप्र गन्ना संस्थान में। आयोजक था लखनऊ दूरदर्शन केंद्र और मौका था द्वितीय डीडी यूपी सम्मान समारोह का।

यहां प्रदेश भर की उन हस्तियों का सम्मान तो किया ही गया जिन्होंने अपने काम और लगन से खास मुकाम हासिल किया है, साथ ही जानेमाने कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से बेहतरीन समां बांधा। विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित समारोह के मुख्य अतिथि थे।

प्रतीक भारद्वाज और शालिनी के संचालन में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सम्मानित होने वाली हस्तियों पर बनी शॉर्ट फिल्मों से। विधानसभा अध्यक्ष के साथ यहां केंद्राध्यक्ष पीपी शुक्ला, कार्यक्रम प्रमुख रमा अरुण त्रिवेदी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिशासी एपी मिश्रा, समाचार निदेशक पंकज पाण्डेय भी मौजूद रहे।

मुख्य सम्मान कार्यक्रम के बाद प्रख्यात हास्य कलाकार रजनीश त्रिवेदी ने यहां दर्शकों को जमकर ठहाके लगवाए। सम्मान तय करने वाले निर्णायक मंडल में वरिष्ठ साहित्यकार गोपाल चतुर्वेदी, आईएएस डॉ. हरिओम, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरएस दुबे, अनुराधा गोयल शामिल थे।

सरकती जाए है रुख से नकाबः इस महफ़िल में चार चांद लगाए देवेश चतुर्वेदी की गजलों ने। देवेश ने यहां साजों की संगत पर 'सरकती आए है रुख से नकाब, आहिस्ता-आहिस्ता...', 'तेरा चेहरा कितना सुहाना लगता है, तेरे आगे चांद पुराना लगता है...' जैसी कई नायाब गजलें सुनाकर बेहतरीन समां बंधा।

आयोजन

- लखनऊ दूरदर्शन के द्वितीय डीडी यूपी सम्मान समारोह
- जानेमाने कलाकारों ने प्रस्तुतियों से समां बांधा

इन्हें मिला सम्मान

साहित्य- रामशंकर अवस्थी
ललित कला- कालीदीन विश्वकर्मा
संगीत- डॉ. कन्हैयालाल पाण्डेय
नाटक- महेश चंद्र देवा
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य- डॉ. आशुतोष कुमार दुबे
पर्यावरण- डॉ. भरत राज सिंह
कृषि- राजेन्द्र सिंह
बालिका शिक्षा- दीप्ति शुक्ला
लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड- प्रो. राज बिसारिया

तृप्ति के भजनों पर झूमें श्रोताः मशहूर भजन गायिका तृप्ति शाक्या भी इस शाम का विशेष आकर्षण रहीं। उन्होंने यहां 'सत्यम शिवम सुंदरम...', ह्यकभी राम बनके, कभी श्याम बनके...', 'छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाके...' जैसे कई भजन और सूफी कलाम सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुनीत मित्तल व उनके ग्रुप ने यहां नृत्य प्रस्तुतियां भी दीं।

राज बिसारिया को दूरदर्शन अवार्ड से सम्मानित किया गया। • हिन्दुस्तान